This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2898**

Unique Paper Code : **2051103** **F-1**

Name of the Paper : **Hindi Kahani [DC-1.2]**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : **I**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए)

सभी प्रश्न कीजिए।

1. किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 9

मेरे मन में उस समय तरह-तरह के सिद्धान्त आए। मैंने स्थिर किया कि अपराध के प्रति करुणा ही होनी चाहिए। रोष का अधिकार नहीं है। प्रेम से ही अपराध-वृत्ति को जीता जा सकता है। आतंक से उसे दबाना ठीक नहीं है। बालक का स्वभाव कोमल होता है और सदा ही उससे स्नेह से व्यवहार करना चाहिए इत्यादि।

अथवा

"हा ! हा !! हा !!! दरख्त को अनसुना करते हुए घमोच ठहाका मारकर हँसा, क्यों ? वह और तुम पेड़ हो और यह पेड़ नहीं ? तुम्हारी जात के बाहर का है यह ? और तुम्हें जरा भी शर्म नहीं कि खुद खा-पीकर इतने मोटे हो गए हो, भुजाएं लंबी और तगड़ी बना ली हैं, कान विशाल और लाल कर लिये हैं, धूप और पानी से बचने के लिए इतना विस्तार कर लिया है, जड़ें भी गहरी जमा ली हैं और यह बिचारा हरवंश।"

P.T.O.

2. रचना-कौशल के आधार पर विचार कीजिए : 5,4

(क) इस जल में अगणित बार हम लोगों की तरी आलोकमय प्रभात में तारिकाओं की मधुर ज्योति में थिरकती थी। बुद्धगुप्त ! उस विजन अनन्त में जब माँझी सो जाते थे, दीपक बुझ जाते थे, हम-तुम परिश्रम से थककर पालों में शरीर लपेटकर एक-दूसरे का मुँह क्यों देखते थे ? वह नक्षत्रों की मधुर छाया ..... (भाषा की दृष्टि से)

अथवा

ढेर सारे जंगलों की तरह लंबा चौड़ा, मगर भयानक नहीं—ऐसा जिसे जंगल नहीं भी कहा जा सकता। कभी उसके अगल-बगल पहाड़ियाँ रही होंगी जो घिसते-घिसते मामूली पठार हो गई हैं। आम, महुवे, बबूल, नीम, शीशम, सेमल, पलाश, चिलबिल, बरगद, बांस और ढेर सारे पेड़ों की बस्तियाँ। इनकी अपनी थी अपने मजे थे। ये लोग बारिश में नाचते थे, बसंत में गाते थे, हवा में झूमते थे और ओलों और आँधियों का एकजुट होकर सामना करते थे।

(वातावरण की दृष्टि से)

(ख) 'आकाशदीप' की संवाद योजना की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

'मिस पाल' कहानी के मुख्य पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. 'पिता' कहानी में बदलते मूल्यों का द्वन्द्व मूल्यों की टूटन को रेखांकित कीजिए। 14

अथवा

'अब कोई दीन दुखियों से मुँह न मोड़ेगा'' कथन के आलोक में 'हार की जीत' कहानी पर प्रकाश डालिए।

4. शिल्प की दृष्टि से 'उसने कहा था' कहानी का विश्लेषण कीजिए। 14

अथवा

आँचलिकता की दृष्टि से 'तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम' का मूल्यांकन कीजिए।

5. "हम सबकी अपनी-अपनी जिद होती है, कोई छोड़ देता है, कुछ लोग आखिर तक उससे चिपके रहते हैं"—कथन के आलोक में 'परिन्दे' कहानी के नए पन पर विचार कीजिए। 14

अथवा

"बालक का स्वभाव कोमल होता है और सदा ही उससे स्नेह व्यवहार करना चाहिए।" 'पाजेब' कहानी के संदर्भ में प्रस्तुत कथन पर विचार कीजिए।

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 8,7

(1) 'पूस की रात' में किसान जीवन

(2) विभाजन की त्रासदी की दृष्टि से 'सिक्का बदल गया'

(3) 'दोपहर का भोजन' की प्रमुख समस्या

(4) 'जंगलजातकम्' कहानी का कथानक।